करे, फेरवे]; *उषाह. [ऊंचो करे]; [सं.ऊर्ध्व परथी]; जुओ उब्म-**ऊभगइ** जुओ उभगइ **ऊभगउ, ऊभंगउ** आरारा. *उपबा. उद्विग्न (सं.उद्भग्न) **ऊभजइ** जुओ उभजइ **कभड** *आरारा*. उद्धत (प्रा.उब्भड) **ऊमड्र** *षडावा*. उभडक (सं.ऊर्ध्व-) ***फभित किभित** विष्याः खराब भात – चित्रामण (सं.उद् +भक्ति); जुओ उभात जुओ कुभति **ऊभलुंखी** *षडाबा.* [(तेल चोपडेली पण) अर्धी लूखी – तेल वगरनी], ओछा तेल-वाळी (तावी) **ऊभविय** ऐतिका. [ऊभी करी], ऊंची करी **ऊभंगउ** जुओ ऊभगउ **ऊभारा** नेमिछं. ऊभरा, [उत्साह, आवेश] (सं.उद्भारः) **ऊभार्युं** *अभिऊ. [(बीड्रं) धर्युं, राख्युं] (सं.उद्+भृ-) **ऊभांभली** ऋषिरा. *मूंझायेली, *ऊंचा मनवाळी, [अत्यंत अरुचिवाळी] **ऊभीटउ** * गुर्जरा. [अणगमतो] [सं.उद्+ हिष्]; जुओ उबीठउ **फमगवुं** जुओ उमगवुं **ऊमटे** *चित्तसं*. थाय, आवी पडे [स.उन्मुष्ट] **ऊमटे (ऊमडे)** अखाका. ऊखडी पडे **फमंडे** चित्तसं. नष्ट थाय, (सं.उन्मर्द्, प्रा. उम्मड); जुओ ऊमटे **कमणदूमणउ** *गुर्जरा*. चिंतातुर, [उदास]

(सं.उन्मन-दुर्मन); जुओ आम्बादूमणी, ऊंमणदूमणु **ऊमहड्ड** *ऐतिरा.* होंश राखे (दे.उम्माहिअ) **ऊमही** *आरारा.* उमंगथी, [उमंग राखी] (दे.उम्माहिअ) **ऊमाह, कमाहउ, कमाहलउ** जुओ उमाह **ऊमाहवुं** कृष्णबा. ऊत्कंठित थवुं **ऊमाहिउ** जुओ उम्माहियउ **ऊमाहे** आरारा. फेलाय. छवाय (रा.ऊमहणौ = ऊमडवुं, ऊभरावुं) **ऊमेल्यां** कादं(शा). उखेडी नाख्यां (सं. उन्मेलितानि); जुओ उमेलि **ऊयेणी** ललिरा. उज्जयिनी **करं** कादं(ध्रु). गुर्जरा. ऊरु, साथळ **ऊरण, ऊरिण** अंबरा. ऋषिरा. गुर्जरा. प्रद्युच्. प्राचीसं. लावल. विक्ररा. ऋणमूक्त (सं. उद्+ऋण) **ऊरणा** अखेगी. ऊन, [करोळियानी] लाळ सिं.ऊर्णी **ऊरतु** जुओ उरतउ **ऊरध** जुओ उरध **ऊरिंड** चारफा. [छाती साथे], छाती वडे **ऊरिण** जुओ ऊरण **ऊर्णनाभं, ऊर्णनाभि** अखाका. अखेगी. करोळियो [सं.] **फलखइ, फळखइ** जुओ उलखइ **जलखउ, जलिखउ, ओलख**उ *उक्तिर.* उपबा. खास करीने हाजते जती वखते वपरातुं पाणीनुं नानुं वासण, जैन साधुन् एक उपकरण